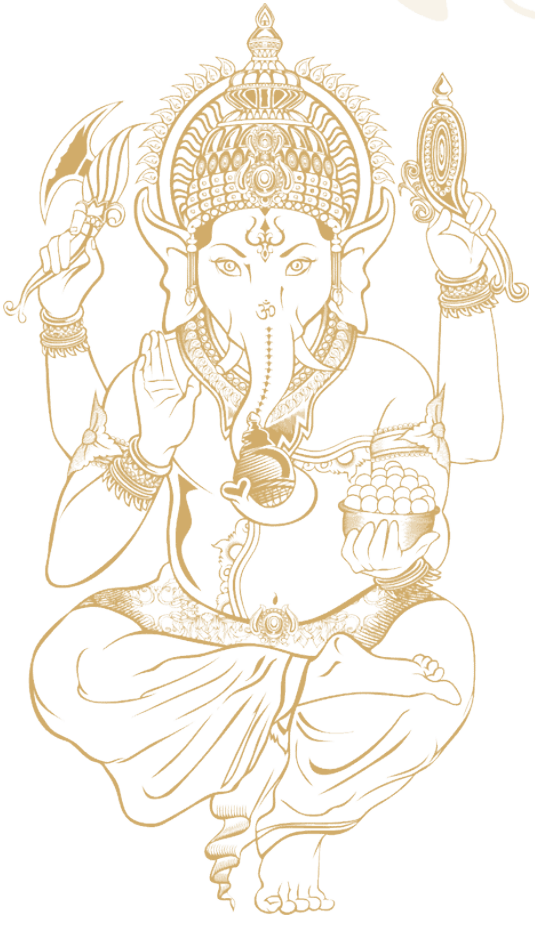

Pradyumna

05 Feb 2026

11:38 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121418109

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/02/2026**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**23:38:00 घंटे**
इष्ट	41:16:51 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:16:52 घंटे
वेलान्तर	-00:13:59 घंटे
साम्पातिक काल	08:20:29 घंटे
सूर्योदय	07:07:15 घंटे
सूर्यास्त	18:03:21 घंटे
दिनमान	10:56:06 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	22:43:24 मकर
लग्न के अंश	06:30:25 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	सुकर्मा
करण	बालव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पू-पुरुषोत्तम
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	06:30:25	311:51:51	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
सूर्य			मक	22:43:24	01:00:48	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	शत्रु राशि
चंद्र			कन्या	10:21:42	12:44:25	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	मित्र राशि
मंगल		अ	मक	16:13:49	00:47:03	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	उच्च राशि
बुध			कुंभ	03:40:21	01:45:59	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	22:37:52	00:06:04	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मक	29:55:08	01:15:14	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	मित्र राशि
शनि			मीन	04:53:47	00:06:11	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु			कुंभ	14:50:23	00:01:40	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:50:23	00:01:40	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:14:15	00:00:05	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:03:07	00:01:46	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:37:24	00:01:53	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	08:36:44	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:25

लग्न-चलित

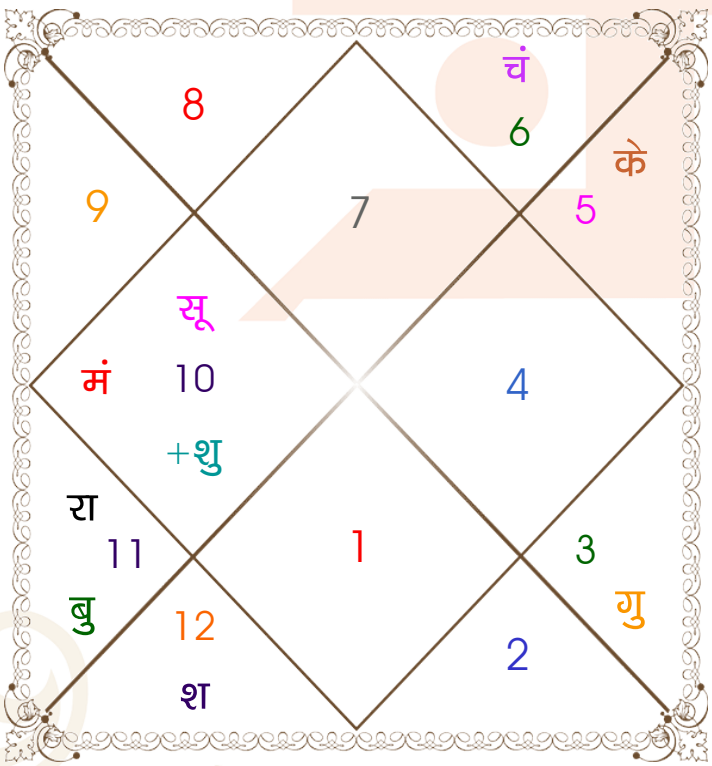

चन्द्र कुंडली

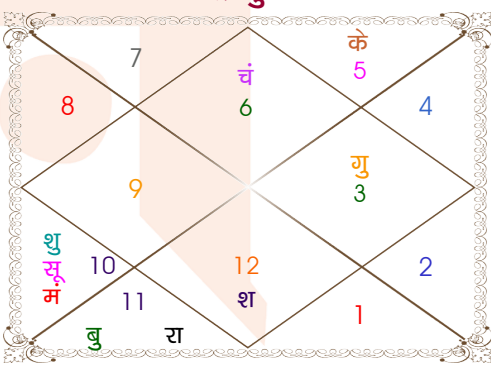

नवमांश कुंडली

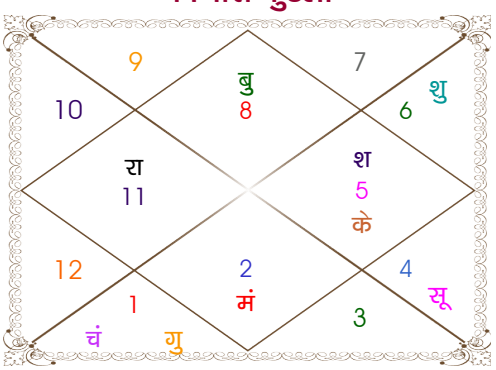

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 9 वर्ष 8 मास 22 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
05/02/2026		30/10/2035		30/10/2042		29/10/2060		29/10/2076	
30/10/2035		30/10/2042		29/10/2060		29/10/2076		30/10/2095	
चंद्र	30/08/2026	मंगल	27/03/2036	राहु	12/07/2045	गुरु	17/12/2062	शनि	02/11/2079
मंगल	31/03/2027	राहु	15/04/2037	गुरु	05/12/2047	शनि	30/06/2065	बुध	12/07/2082
राहु	29/09/2028	गुरु	21/03/2038	शनि	11/10/2050	बुध	06/10/2067	केतु	21/08/2083
गुरु	29/01/2030	शनि	30/04/2039	बुध	30/04/2053	केतु	10/09/2068	शुक्र	21/10/2086
शनि	30/08/2031	बुध	26/04/2040	केतु	18/05/2054	शुक्र	12/05/2071	सूर्य	03/10/2087
बुध	28/01/2033	केतु	23/09/2040	शुक्र	18/05/2057	सूर्य	29/02/2072	चंद्र	03/05/2089
केतु	30/08/2033	शुक्र	23/11/2041	सूर्य	12/04/2058	चंद्र	30/06/2073	मंगल	12/06/2090
शुक्र	30/04/2035	सूर्य	31/03/2042	चंद्र	12/10/2059	मंगल	06/06/2074	राहु	18/04/2093
सूर्य	30/10/2035	चंद्र	30/10/2042	मंगल	29/10/2060	राहु	29/10/2076	गुरु	30/10/2095

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
30/10/2095		30/10/2112		31/10/2119		31/10/2139		30/10/2145	
30/10/2112		31/10/2119		31/10/2139		30/10/2145		00/00/0000	
बुध	28/03/2098	केतु	28/03/2113	शुक्र	01/03/2123	सूर्य	17/02/2140	चंद्र	06/02/2146
केतु	25/03/2099	शुक्र	28/05/2114	सूर्य	01/03/2124	चंद्र	18/08/2140		00/00/0000
शुक्र	24/01/2102	सूर्य	03/10/2114	चंद्र	30/10/2125	मंगल	24/12/2140		00/00/0000
सूर्य	30/11/2102	चंद्र	04/05/2115	मंगल	31/12/2126	राहु	18/11/2141		00/00/0000
चंद्र	01/05/2104	मंगल	30/09/2115	राहु	30/12/2129	गुरु	06/09/2142		00/00/0000
मंगल	28/04/2105	राहु	18/10/2116	गुरु	30/08/2132	शनि	19/08/2143		00/00/0000
राहु	15/11/2107	गुरु	24/09/2117	शनि	31/10/2135	बुध	24/06/2144		00/00/0000
गुरु	20/02/2110	शनि	03/11/2118	बुध	31/08/2138	केतु	30/10/2144		00/00/0000
शनि	30/10/2112	बुध	31/10/2119	केतु	31/10/2139	शुक्र	30/10/2145		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 9 वर्ष 8 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।